

न्यू ईयर, क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए सहेलियों के साथ घूमने जाने का बना रही हैं प्लान, देश की ये 10 जगहें हैं सेफ, बेस्ट

दिसंबर के महीने में क्रिसमस, न्यू ईयर ईव सेलिब्रेशन के लिए लोग घूमने-फिरने का प्लान बनाते हैं। कई बार महिलाएं भी अपनी सहेलियों के साथ इन स्पेशल डेज के लिए ट्रिप प्लान करती हैं, लेकिन मन में डर भी रहता है कि कौन सी जगह उनके घूमने के लिए सुरक्षित हैं, कौन सी नहीं। सोलो ट्रिप हो या फिर ग्रुप में फ्रेंड्स के साथ जाना हो, आप पहले ही हर चीजों की जानकारी लेकर ही घर से निकलें। सेफ जगह, होटल, देखने लायक जगहें, शॉपिंग स्ट्रीट आदि के बारे में पहले से सर्व कर लेंगी तो आपके लिए घूमना आसान हो जाएगा। देश में कई ऐसी जगह हैं, जहां महिलाएं सोलो या फिर अपनी फ्रेंड्स के साथ कुछ दिनों के लिए घूमने-फिरने, मौज-मस्ती के लिए जा सकती हैं।



जैसलमेर- यदि आप दिल्ली, उत्तर प्रदेश के शहरों में रहती हैं तो राजस्थान स्थित जैसलमेर इस महीने क्रिसमस या न्यू ईयर से एक-दो दिन पहले घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। गोल्डन सिटी जैसलमेर ऊंट की सवारी के लिए मशहूर है। ठंड के दिनों में आप यहां सोलो ट्रिप या फिर अपनी सहेलियों के साथ घूमने जाने की योजना बना सकती हैं। कहा जाता है कि यहां के लोग बेहद अच्छे स्वभाव वाले और मदद करने वाले होते हैं।

नैनीताल- हिल स्टेशन जाने की योजना बना रही हैं तो आप अपनी सहेलियों के साथ इस महीने (दिसंबर) नैनीताल हो जाएं। यहां हर मौसम में पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है। यहां आकर आप कभी भी असुरक्षित या अकेला महसूस नहीं करेंगी। खूबसूरत पहाड़, झील-झरने, हरी-भरी वादियों में आकर आप हर टेशन भूल जाएंगी।

शिमला- हिमाचल प्रदेश की राजधानी है शिमला। यहां पर आप बर्फ से ढकी पर्वत श्रृंखलाएं, म्यूजियम, झील-

झरने, चर्च, माल रोड, दरिज, मंदिर, जाखू हिल आदि देखने का मजा ले सकती हैं। साथ ही आप अपनी सहेलियों के साथ कालका शिमला टॉय ट्रेन की यात्रा पर भी निकल सकती हैं।

दार्जिलिंग- यह टूरिस्ट प्लेस ना बेहद खूबसूरत है, बल्कि महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटक स्थलों में से एक भी माना जाता है। यहां आप कम बजट में कई चीजों का लुत्फ उठा सकती हैं। यहां की हरियाली, प्राकृतिक नजारों, हरी-भरी वादियों, जंगल, झील, टॉय ट्रेन आपका मन मोह लेने के लिए काफी है। सहेलियों के साथ बनाएं दार्जिलिंग घूमने का प्लान और साल के इस आखिरी महीने में करें खूब मस्ती।

ऋषिकेश- दिसंबर की ठंड में आप चाहें तो ऋषिकेश, देहरादून भी दो दिनों के लिए सोलो या फिर अपनी सहेलियों के साथ घूमने जा सकती हैं। कई बार काम के कारण अधिक छुट्टियां नहीं मिल पाती हैं। ऐसे में आप दिल्ली-एनसीआर रहती हैं तो वीकेंड पर यहां जाना बेस्ट होगा। ठंड के मौसम में

ऋषिकेश जाकर आप रिवर राफ्टिंग का मजा ले सकती हैं। पवित्र गंगा नदी में डुबकी लगा सकती हैं। शांति-सुकून पाने और कुदरती नजारों को कम खर्च में महसूस करना है तो ऋषिकेश बेस्ट ऑप्शन है।

जयपुर- पिंक सिटी नाम से मशहूर जयपुर दिल्ली से नजदीक है। आप यहां सड़क मार्ग से भी मस्ती करते पहुंच सकती हैं। सर्दियों में जयपुर की सैर करना बेस्ट है। यहां आप जल महल, हवा महल, सिटी पैलेस, नाहरगढ़ का किला, बिरला मंदिर, आमेर का किला आदि पर्यटक स्थलों का दीदार कर अपनी यात्रा को ऐतिहासिक और यादगार बना सकती हैं।

गंगटोक- सिक्किम की राजधानी गंगटोक बेहद ही खूबसूरत जगह है। यहां से आप कंचनजंघा शिखर की संपूर्ण श्रृंखला का अद्भुत नजारा देखने का आनंद उठा सकती हैं। हालांकि, यह दूर है, ऐसे में आपको यहां जाने के लिए प्रॉपर प्लानिंग करनी होगी, क्योंकि यहां जाने, घूमने-फिरने, वापस

आने में आपको एक सप्ताह का समय तो लग ही जाएगा। यहां कई प्राचीन मंदिर, महल, मठ, गणेश टोक, हनुमान टोक, ताशि व्यू प्वाइंट आदि देखने लायक जगहें हैं। साथ ही यहां आए तो रोपवे पर बैठकर पूरे गंगटोक का खूबसूरत नजारा देखना ना भूलें। पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, बाइकिंग जैसे रोमांचक एक्टिविटीज का भी मजा ले सकती हैं।

गोवा- क्रिसमस और न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिहाज से गोवा बेस्ट जगह है। यदि आप सोलो ट्रिप पर या फिर अपनी बेस्ट फ्रेंड्स के साथ दिसंबर में इन स्पेशल डेज को यादगार बनाना चाहती हैं तो फिर गोवा बेस्ट और सेफ टूरिस्ट प्लेस हो सकता है। यहां समुद्री बीच, चर्च, स्ट्रीट शॉपिंग का मजा ले सकती हैं। माना जाता है कि यहां शॉपिंग उतनी महंगी नहीं है। जरूरत की चीजें जैसे कपड़ों से लेकर जूलरी, गिफ्ट आइटम, एक्सेसरीज आप कम और उचित दामों में खरीद सकती हैं। साथ ही दोस्तों के साथ नाइट लाइफ को भी एन्जॉय कर सकती हैं।

पुडुचेरी- यहां आकर आप फ्रांसीसी के साथ ही भारतीय संस्कृति का मिला-जुला रूप देख सकती हैं। इस शहर को फ्रेंच स्टाइल में बनाया गया है। कई चर्च, मंदिर के दर्शन कर सकती हैं। साथ ही समुद्री तटों पर भी घूमने जा सकती हैं। यह बंगाल की खाड़ी पर बसा है। यहां फ्रेंच कॉलोनिअल के अवशेष आज भी देखने को मिलते हैं।

मैसूर- महिलाओं के लिए कर्नाटक को सुरक्षित राज्यों में से एक माना जाता है। आप यहां मैसूर, बंगलुरु एक्सप्लोर कर सकती हैं। मैसूर में आप महलों, मंदिरों, ऐतिहासिक स्थलों का दीदार कर सकती हैं। मैसूर पैलेस, चिडियाघर, चामुंडी हिल्स, देवराज मार्केट, वृंदावन गार्डन, झील आदि स्थानों पर घूम सकती हैं। आपको प्राचीन धरोहरों, इमारतों, ऐतिहासिक स्थानों को करीब से देखना, समझना अच्छा लगता है तो यहां जरूर जाएं। इतना ही नहीं, जब दुनिया भर में मशहूर यहां की सिल्क साड़ियों पर आपको नजर पड़ेगी तो खुद को खरीदने से नहीं रोक पाएंगी।

वैसे तो गर्भवती महिलाओं को हर मौसम में अपना ख्याल रखना चाहिए, लेकिन ठंड में अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। दरअसल, सर्दियों में हमारा स्वास्थ्य अन्य मौसम की तुलना में अधिक संवेदनशील हो जाता है। ऐसे में त्वचा को हाइड्रेट रखकर इम्युनिटी लेवल को स्ट्रॉन्ग रखना बेहद जरूरी होता है। हालांकि, यह सब तभी संभव होगा, जब गर्भवती महिला पौष्टिक आहार ले। ऐसा करने से पेट में पल रहा शिशु भी स्वस्थ रहेगा। आइए गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज कन्नौज की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा से जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान ठंड में किन चीजों का सेवन करना चाहिए?

ठंड में कैसा हो गर्भवतियों का आहार, 4 चीजों को डाइट में जरूर करें शामिल, जच्चा-बच्चा दोनों रहेंगे हेल्दी

मां बनने की उम्मीद करना हर महिला के जीवन का सबसे सुखद पहलू होता है। इसलिए जरूरी है कि प्रेग्नेंसी के दौरान खुद की सेहत का ठीक से ध्यान रखें। दरअसल, गर्भावस्था के दौरान कई वजहों से शारीरिक और मानसिक तनाव हो सकता है। इस तरह के शारीरिक परिवर्तन हार्मोनल परिवर्तनों के साथ मिलकर आपके शरीर पर भारी पड़ सकते हैं। वैसे तो गर्भवती महिलाओं को हर मौसम में अपना ख्याल रखना चाहिए, लेकिन ठंड में अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। क्योंकि, सर्द मौसम सामान्य सर्दी, संक्रमण, खांसी और बुखार से जुड़ा होता है। इसके अलावा, सर्दी में चलने वाली ठंडी हवा से सूखापन या नमी की कमी भी एक बड़ा कारण है, जिससे सर्दी में अधिक सावधान रहने की जरूरत होती है। दरअसल, सर्दियों में हमारा स्वास्थ्य अन्य मौसम की तुलना में अधिक संवेदनशील हो जाता है। ऐसे में त्वचा को हाइड्रेट रखकर इम्युनिटी लेवल को स्ट्रॉन्ग रखना बेहद जरूरी होता है। हालांकि, यह सब तभी संभव होगा, जब गर्भवती महिला पौष्टिक आहार ले। ऐसा करने से पेट में पल रहा शिशु भी स्वस्थ रहेगा। अब सवाल है कि आखिर गर्भवती महिलाओं का सर्दियों में आहार कैसा हो? गलत खान-पान स्वास्थ्य पर कैसे डालता है प्रभाव? इन सवालों के बारे में बता रही हैं

गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज कन्नौज की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. अमृता साहा- **सर्दियों के लिए गर्भवती महिलाओं का पौष्टिक आहार** फल और सब्जियां खाएं: सर्दियों के मौसम में गर्भवती महिलाओं को विटामिन सी से युक्त फल जैसे संतरा, सेब, केला का सेवन जरूर करना चाहिए। ये फल शरीर में इम्युनिटी बूस्ट करने का काम करते हैं। साथ ही ठंड में पालक, सलाद, पत्ता, फूलगोभी और हरी सब्जियों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा करने से मां और बच्चा दोनों हेल्दी रहेंगे। **क्या है गैस्ट्रिक स्लीव सर्जरी? जो मिनटों में कम कर देता है मोटापा आगे देखें...** **उचित मात्रा में आयोडीन लें:** गर्भावस्था के दौरान आयोडीन से युक्त चीजों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। क्योंकि, आयोडीन की कमी आपके बच्चे के मानसिक विकास को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में जरूरी है कि उचित मात्रा में अंडे, समुद्री भोजन, नमक आदि जरूर खाएं। ऐसा करने से जच्चा-बच्चा दोनों का स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा। **खुद को हाइड्रेट रखें:** ठंड में गर्भवती महिलाओं को हाइड्रेट रहना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए जरूरी है कि अच्छी मात्रा में पानी पीएं। इसके अलावा, आप फलों और सब्जियों का ताजा

रस, नींबू पानी, छाछ आदि का भी सेवन कर सकती हैं। ऐसा करने से आप खुद को बीमारियों से दूर रख पाएंगी। **कैल्शियम-फाइबर जरूरी:** प्रेग्नेंसी में हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम-फाइबर युक्त चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए। इसके लिए आप डेयरी प्रोडक्ट, अनाज, दालों का डाइट में शामिल कर सकते हैं। दरअसल, ये चीजें तमाम पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। इसलिए नियमित डेयरी प्रोडक्ट की 3 से 4 सर्विंसेस लें। वहीं, फाइबर युक्त चीजें कब्ज से छुटकारा दिलाने का काम करती हैं। **ठंड में ये एहतियात जरूरी** — गर्भवती महिलाओं को फलू का टीका जरूर लगवाना चाहिए। — अत्यधिक ठंड में घर के अंदर रहें और



पर्याप्त ऊनी कपड़े पहनें। — डाइट में पालक, अदरक, आंवला, बादाम, दही, लहसुन, दूध, शिमला मिर्च और ब्रोकली शामिल करें। — शुष्क सर्दियों की हवा से शरीर को अतिरिक्त पानी की आवश्यकता होती है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। — हल्के व्यायाम जैसे चलना या सरल योग करें। ऐसा करने से आप और आपका बच्चा दोनों हेल्दी रहेंगे।

दिल्ली नगर निगम में बजट पेश, निगम आयुक्त ने कहा- संपत्ति कर से आय का बना नया कीर्तिमान; बीजेपी ने बताया काला दिन

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में शनिवार को बजट बैठक की शुरुआत हुई। भाजपा ने सदन में बजट पेश करने को काला दिन बताया है। बीजेपी का कहना है कि स्थायी समिति न होने पर बजट पेश करना असंवैधानिक है। वहीं कांग्रेस के पाषंदों ने पिछले सदन में हुई अभद्रता का मुद्दा उठाया।

इस पर बीजेपी ने कहा कि हमारे किसी के पाषंद ने अभद्रता नहीं की थी। वहीं बजट पेश करने के दौरान हल्की नोकझोंक भी हुई। निगम बजट आयुक्त ज्ञानेश भारती ने पेश किया। उन्होंने कहा कि हमने पिछले वित्त वर्ष में संपत्ति कर से आय का नया कीर्तिमान बनाया है। निगमायुक्त ने 16,683 करोड़ खर्च और 15,686 करोड़ की आय का अनुमान रखा है।

वर्ष 2023-24 के संशोधित बजट अनुमान तथा 2024-25 के बजट अनुमानों के मुख्य बिन्दु:

वित्त वर्ष 2022-23 में निगम को 2,417 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 400 करोड़

रूपये अधिक है। निगम के इतिहास में अब तक संपत्ति कर से प्राप्त सर्वाधिक राजस्व है।

सम्पत्ति कर बढ़ाने तथा सटीक सम्पत्ति कर गणना हेतु रियल टाइम जिओ टैगिंग प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। सम्पत्ति करदाताओं को जिओ टैगिंग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सहभागिता योजना में एक नई प्रणाली का भी प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों, जिनका कुल भूमि क्षेत्रफल 10 एकड़ से अधिक है। उन्हें 100 प्रतिशत सम्पत्ति कर जमा कराने के उपरांत 5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि विकास कार्यों के लिए दी जाएगी।

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 3 वार्डों, ग्रीत विहार, पूर्व पटेल नगर और कोटला मुबारकपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से प्रदत्त नागरिक सेवाओं में कमी को पहचानने और सुधार करने हेतु सूचना भेजने की प्रणाली की स्थापना।

नजफगढ़ क्षेत्र के इंदिरा पार्क, पश्चिमी क्षेत्र के विष्णु गार्डन, पश्चिमपुरी, मादीपुर जेजे कॉलोनी, कोरल बाग क्षेत्र के प्रेम नगर, नरेला क्षेत्र के बवाना, सिविल लाइंस क्षेत्र के मुकुंदपुर और केशवपुरम क्षेत्र के सरस्वती विहार में स्कूल



भवनों का निर्माण का कार्य पूरा हो गया है। पश्चिमी क्षेत्र के पंजाबी बागए पश्चिम विहार, सिविल लाइंस क्षेत्र के इब्राहिम पुर,

वजीराबाद गांवए जीटीबी नगर और रोहिणी क्षेत्र के मंगोलपुरी समेत लगभग 20 स्कूल भवनों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

दिल्ली नगर निगम ने लाजपत नगर में 246, हौज खास में 136, अधचिनी गांव में 56, सुभाष नगर में 236 व निजामुद्दीन बस्ती के निकट 86

कारों की मल्टीलेवल कार पार्किंग का कार्य पूरा कर लिया है।

पंजाबी बाग में 225, अमर कॉलोनी लाजपत नगर में 81, शिवा मार्किट पीतमपुरा में 500, गांधी मैदान चांदनी चौक में 2, 338, कुतुब रोड पर 174, निगम बोध घाट में 95 और बाग दिवार मार्किट, फतेहपुरी में 196 कारों की क्षमता वाली पार्किंग सुविधा का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे इस वित्तीय वर्ष में पूरा कर लिया जायेगा।

तीनों लैंडफिल साइट पर ट्रॉमलिंग मशानों के द्वारा नवंबर 2023 तक लगभग 102 लाख मीट्रिक टन कूड़े का पृथक्कीकरण किया जा चुका है।

नरेला, बवाना में 3600 केवी क्षमता के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित किया जायेगा। साथ ही ओखला और तेहखंड वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है।

टोस अपशिष्ट प्रबंधन और एडब्ल्यूएम 2016 नियमों के अनुपालन के ऑडिट के लिए हैदराबाद के साथ समझौता किया है। इसके तहत टोस अपशिष्ट प्रबंधन की कमियों की पहचान कर बेहतर सुझाव दिया जाएगा।

ईडी ने आप सांसद की जमानत याचिका का किया विरोध, कहा- हमारे पास रिश्वत मांगने के सबूत और...



परिवहन विशेष न्यूज

आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद और नेता संजय सिंह की जमानत याचिका मामले में सुनवाई करते हुए दिल्ली की राजज एवेन्यू कोर्ट ने मामले को 12 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने संजय सिंह की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने कहा कि उनके

पास रिश्वत मांगने से जुड़े सबूत हैं।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद और नेता संजय सिंह की जमानत याचिका मामले में सुनवाई करते हुए दिल्ली की राजज एवेन्यू कोर्ट ने मामले को 12 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने संजय सिंह की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने कहा कि उनके

पास रिश्वत मांगने से जुड़े सबूत हैं।

विरोध करते हुए ईडी ने कोर्ट में बताया कि रिश्वत मांगने से जुड़े बयान भी हैं, साथ ही कुछ दस्तावेज भी बरामद किए हैं। राजज एवेन्यू कोर्ट ने संजय सिंह के वकील की ओर दलीलों के लिए मामले को 12 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया है। संजय सिंह दिल्ली आवकारी नीति घोषाल से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली के अपराधियों की अब खैर नहीं, जल्द हो सकेगी आरोपियों की पहचान; FSL के नए लैब को LG सक्सेना ने बताया ऐतिहासिक

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राजधानी में फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री के नए एनेक्सी भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उपराज्यपाल ने इसे ऐतिहासिक मौका बताया। उन्होंने कहा कि एफएसएल अपराध विज्ञान का एक महत्वपूर्ण निकाय है जो अपराधों को रोकने और आपराधिक मामलों में न्याय दिलाने में तेजी से मदद करता है। इस भवन में एक महीने के भीतर काम करना शुरू हो जाएगा।

दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने राजधानी में फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री के नए एनेक्सी भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उपराज्यपाल ने इसे ऐतिहासिक मौका बताया। उन्होंने कहा कि एफएसएल अपराध विज्ञान का एक महत्वपूर्ण निकाय है, जो अपराधों को रोकने और आपराधिक मामलों में न्याय दिलाने में तेजी से मदद करता है। उन्होंने कहा कि इस भवन में एक महीने के भीतर काम करना शुरू हो जाएगा। इससे क्राइम के सैपल्स का निपटान तेजी से होगा। पहले नमूने यहां जमा होते थे। यह लैब यहां बैकलॉग को खत्म करने में मदद करेगी। दिल्ली पुलिस इस पर काफी निभर रहती है। आजकल अपराध काफी साइंटिफिक हो गए हैं, इसलिए क्राइम को पहचानने और अपराधियों को पकड़ने के लिए उन्नत तकनीक की जरूरत है। इस लैब से दिल्ली में अपराधों के निपटारे में मदद मिलेगी।



दिल्ली को नहीं मिल रही राहत की सांस, 'बहुत खराब' श्रेणी बरकरार, आज से सुधार के आसार

दिल्ली में इस समय हवा की रफ्तार सुस्त है। दिन में भी हवा की रफ्तार आमतौर पर दस किमी प्रति घंटे से कम ही रही। इसीलिए दिल्ली की हवा में प्रदूषक कण ज्यादा देर तक बने हुए हैं। दिल्ली वासियों को जानलेवा प्रदूषण से शनिवार-रविवार को राहत मिलने की संभावना है। इस दौरान हवा की गति 12 से 16 किमी प्रति घंटे तक रहने का पूर्वानुमान है।

नईदिल्ली। पिछले एक महीने से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का प्रकोप जारी है। दिवाली से पहले हुई एक दिन की बारिश से बेशक राहत की सांस मिली हो, लेकिन दिवाली के बाद से लगातार प्रदूषण का स्तर 'बहुत गंभीर' बना हुआ है। हालांकि इस प्रदूषण का मुख्य कारण पारली और वाहन है। शुक्रवार को भी दिल्ली का एक्यूआई 300 से ऊपर यानी रेबहुत खराब श्रेणी में बरकरार रहा। एनसीआर के शहरों का एक्यूआई भी कमोबेश एक दिन पूर्व वाली स्थिति में ही बना रहा।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता का स्तर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को सुबह वायु गुणवत्ता का स्तर 360 के पार चला गया है। आनंद विहार में एक्यूआई 350, आरके पुरम में 325, पंजाबी बाग में 332 और आईटीओ में 328 रहा। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार से हवा की रफ्तार बढ़ने पर इसमें सुधार के आसार हैं। बता दें कि शुक्रवार को दिल्ली का एक्यूआई 324 रहा। इस स्तर की



हवा को रेबहुत खराब श्रेणी में रखा जाता है। बृहस्पतिवार को यह 320 के अंक पर रहा था। उधर दिल्ली के 27 इलाकों का एक्यूआई भी रेबहुत खराब ही दर्ज किया गया।

हवा की रफ्तार सुस्त, शनिवार से राहत मिलने के आसार

दिल्ली में इस समय हवा की रफ्तार सुस्त है। दिन में भी हवा की रफ्तार आमतौर पर दस किमी प्रति घंटे से कम ही रही। इसीलिए

दिल्ली की हवा में प्रदूषक कण ज्यादा देर तक बने हुए हैं। दिल्ली वासियों को जानलेवा प्रदूषण से शनिवार-रविवार को राहत मिलने की संभावना है। इस दौरान हवा की गति 12 से 16 किमी प्रति घंटे तक रहने का पूर्वानुमान है। तेज हवा के असर से प्रदूषण भी छटने लगेगा।

एनसीआर के शहरों का एक्यूआई फरीदाबाद - 261

गाजियाबाद - 275
ग्रेटर नोएडा - 294
गुरुग्राम - 242
नोएडा - 253

आज से सुबह के समय बड़ेगी ठंड

शुक्रवार को भी आसमान साफ रहा और दिन में हल्की धूप खिली रही। अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 25.7 डिग्री जबकि न्यूनतम सामान्य स्तर पर 9.4

डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को भी सुबह हल्का कोहरा होने और दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान जताया गया है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 एवं आठ डिग्री सेल्सियस रह सकता है। चूंकि शनिवार और रविवार को तेज हवा चलेगी और न्यूनतम तापमान भी घटने का आसार है तो इससे सुबह शाम की ठंड में इजाफा भी होगा।

15 दिन से बंद पड़े फ्लैट से आई बदबू तो पड़ोसियों ने बुलाई पुलिस, सड़ी-गली हालत में मिली महिला की लाश

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके से शनिवार सुबह एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है। दरअसल मालवीय नगर थाना इलाके के खिड़की एक्सटेशन में एक युवती का सड़ा हुआ शव फ्लैट में मिला है। बदबू आने पर आज पड़ोस के लोगों ने पुलिस को कॉल किया। पुलिस के अनुसार यह शव करीब 15 दिन पुराना है।

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके से शनिवार सुबह एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है। दरअसल मालवीय नगर थाना इलाके के खिड़की एक्सटेशन में एक युवती का सड़ा हुआ शव फ्लैट में मिला है। बदबू आने पर आज पड़ोस के लोगों ने पुलिस को कॉल किया।

करीब 15 दिन पुराना है शव

पुलिस के अनुसार यह शव करीब 15 दिन पुराना है। संत नगर की रहने वाली युवती सानिया राय एक साल से फ्लैट में किराए पर रह रही थी। पुलिस ने हत्या की आशंका जाहिर की है। हालांकि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान ऊर्फ नंदू गिरोह के दो शूटर गिरफ्तार, विदेश से करता है संचालन

क्राइम ब्रांच ने कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान ऊर्फ नंदू गिरोह के दो शूटरों को गिरफ्तार किया। इनके पास से दो पिस्टल और आठ कारतूस बरामद किए गए हैं। इनके खिलाफ हत्या हत्या के प्रयास और रंगदारी मांगने के 13 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों पालम गांव थाने के घोषित बदमाश हैं। नंदू विदेश में रहकर भारत में अपने गिरोह को संचालित कर रहा है।

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने बाहरी दिल्ली के रहने वाले कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान ऊर्फ नंदू गिरोह के दो शूटरों को गिरफ्तार किया। इनके पास से दो पिस्टल और आठ कारतूस बरामद किए गए हैं। इनके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और रंगदारी मांगने के 13 आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों पालम गांव थाने के घोषित बदमाश हैं। नंदू विदेश में रहकर भारत में अपने गिरोह को संचालित कर रहा है। आरोपी विनोद उर्फ विक्की उर्फ संन्यासी (43 वर्ष), चंदर विहार, सेक्टर 7, द्वारका, दिल्ली का मूल निवासी है। उसने सिर्फ 10वीं क्लास तक ही पढ़ाई की है। बचपन में वह इलाके के बुरे लोगों के संपर्क में आया और अपराध की दुनिया में शामिल हो गया। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास और छिन्ती के कुल 13 मामले दर्ज हैं। वह हाल ही में पैरोल पर बाहर आया था। वहीं दूसरा आरोपी नाबालिग है।



नेताओं पर भ्रष्टाचार में कार्रवाई की तलवार



योगेंद्र योगी

भाजपा ऐसी

कार्रवाई की

अंजाम देकर

आगामी

लोकसभा चुनाव

में भी कांग्रेस और

विपक्षी दलों के

नेताओं के

खिलाफ चुनाव

प्रचार में

राजनीतिक

फायदा उठाने का

पूरा प्रयास

करेगी‘

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के आने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि केंद्र की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम जारी रखेगी। राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा ने भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। ऐसे में अब इस बात की प्रबल संभावना है कि इन दोनों राज्यों की भ्रष्टाचार निरोधी एजेंसी और केंद्र की एजेंसियों से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का बचना मुश्किल है। कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और भूपेश बघेल सहित इनके मंत्रियों पर कानूनी शिकंसा कसने के आसार बढ़ गए हैं। दरअसल कांग्रेस ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इस बात के प्रयास ही नहीं किए कि भ्रष्टाचार के मामलों से सख्ती सनिपटा जाए। कांग्रेस ने मतदाताओं में यह संदेश देने का प्रयास ही नहीं किया कि भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टोलरेंस की नीति है। इसके विपरीत भ्रष्टाचार के मामलों का खुलासा होने पर दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकारों ने दबाने-छिपाने का प्रयास किया। भाजपा ने इसे प्रमुख चुनावी मुद्दा बना लिया। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य नेताओं ने चुनावी प्रचार के दौरान जम कर हमला बोला। बीकानेर में पीएम नरेंद्र मोदी ने जिन मुद्दों पर प्रदेश की गहलोत सरकार को घेरा था, उनमें भ्रष्टाचार भी प्रमुख था। पीएम मोदी ने गहलोत सरकार के करफ्तान पर निशाना साधते हुए कहा था कि गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार में भी रिकॉर्ड बनाया है। वह चाहे 17 बड़ी परीक्षाओं के पेपर लोक के मामले हों या सरकार में भ्रष्टाचार हो, अगर भ्रष्टाचार की रैंकिंग होती तो राजस्थान उसमें भी नम्बर-1 आता। भाजपा के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर खदान घोटाले सहित हजारों करोड़ रुपये के घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया था। ईडी इन आरोपों की जांच कर रही है।

अब इनमें कार्रवाई होने की प्रबल संभावना है। भाजपा सांसद का आरोप था कि अशोक गहलोत सरकार ने 66 हजार करोड़ से ज्यादा के घोटाले किए हैं। इनमें 27 हजार करोड़ रुपये का खदान घोटाला और 20 हजार करोड़ रुपये का बजरी घोटाला शामिल है। मीणा ने जल जीवन मिशन घोटाले सहित कई घोटालों में राज्य के मंत्रियों, नौकरशाहों और विधायकों की संलिप्तता का आरोप लगाया। मीणा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री गहलोत और उनके मंत्री और नौकरशाह शायद राजस्थान के इतिहास में सबसे भ्रष्ट हैं। भ्रष्टाचार के मामलों में गहलोत सरकार



अपनी ही पार्टी के लोगों का भी निशाना बनी। पार्टी से निकाले गए पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुप्ता ने आरोप लगाया था कि गहलोत सरकार भ्रष्टाचार के मामले में कर्नाटक की 40 प्रतिशत कमीशन वाली भाजपा सरकार से आगे निकल गई है। पूर्व सैनिक कल्याण मंत्री गुप्ता ने अपने कैबिनेट सहयोगी शांति धारीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यालय से कोई भी फाइल बिना भ्रष्टाचार के मंजूर नहीं होती। गहलोत के मुख्य विरोधी रहे पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पावलेट ने भी चुनाव से पहले भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया था। पायलट ने पेपर लोक और भ्रष्टाचार के मामलों में पदयात्रा तक की। राजस्थान की गहलोत सरकार की तरह छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दों पर घेरने में भाजपा पीछे नहीं रही। पिछले पांच वर्षों के शासन के दौरान छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। बैटिंग ऐप प्रकरण में भाजपा ने भूपेश बघेल पर आरोपों से पांच सौ करोड़ रुपए लेने का आरोप लगाया। ईडी ने महादेव स्टूडेंट्स ऐप के प्रवर्तक की ओर से पूर्व सीएम भूपेश बघेल को 508 करोड़ रुपये के भूगतान का दावा किया था। पूर्व सीएम बघेल को लेकर किए गए ईडी के इस दावे के बाद प्रदेश के पूर्व सीएम रमन सिंह ने मुख्यमंत्री पर हमला बोला। पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा कि अब तो स्पष्ट हो गया है कि महादेव एप घोटाले के 508 करोड़ रुपये सीएम भूपेश बघेल के पास आए हैं। इस प्रकरण में सीएम दास को गिरफ्तार किया गया और उसकी कार से 5.37 करोड़ रुपये जब्त हुए थे। असीम दास ने सीएम भूपेश बघेल के नाम से पैसे देने की बात कही है। यही असीम दास महादेव ऐप का प्रमोटर भी है। कांग्रेस की गहलोत सरकार की तरह ही भूपेश

बघेल सरकार पर लगे आरोपों में शराब घोटाला, ट्रांसफर घोटाला, गोबर घोटाला, ग्राम सभा सदस्य बनाने के नाम पर घोटाला, चावल घोटाला, खदान से जुड़े माल ढुलाई के काम में घोटाला के साथ ही महादेव बैटिंग ऐप जैसे घोटालों की लंबी फेहरिस्त है। कांग्रेस ने भूपेश बघेल को 2.5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया था। अगले ढाई साल टीएस सिंहदेव मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। भूपेश बघेल तमाम गतिरोधों के बावजूद पूरे 5 साल मुख्यमंत्री बने रहे। टीएस सिंहदेव को आखिरी कुछ महीनों के लिए उपमुख्यमंत्री बनाकर चुप करा दिया गया। भारतीय जनता पार्टी आरोप लगाती है कि बघेल ने छत्तीसगढ़ को कॉन्ग्रेस पार्टी के लिए तिजोरी के तौर पर इस्तेमाल कराया। जिन चीजों का वादा करके वो सत्ता में आए थे, किया उसके ठीक विपरीत काम, और घोटालों पर घोटालों को अंजाम दिया। कॉन्ग्रेस पार्टी के लिए फंडिंग की और खुद को सत्ता में बनाए रखा। छत्तीसगढ़ में पीसीएस घोटाला चर्चित रहा। छत्तीसगढ़ पब्लिक सर्विस कमीशन में नेताओं और अधिकारियों के बच्चों को सीधे एंट्री मिली और उन्हें बड़े-बड़े पद भी दिए गए। प्रधानमंत्री ने भी इस घोटाले पर सवाल उठाए। मोदी ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ के हजारों युवाओं ने दिन-रात पढ़ाई करके, परीक्षा पास की थी, उनको किस फॉर्मूले से बाहर निकाला गया? कॉन्ग्रेस नेताओं के बच्चों को गणित के किस फॉर्मूले से भर्ती किया गया? भूपेश बघेल ने वादा किया था कि कॉन्ग्रेस सत्ता में आएगी तो छत्तीसगढ़ में शराबबंदी करेगी। उल्टा भूपेश बघेल और उनके बेटे पर आरोप लगा कि उन्होंने कमीशनखोरी करके 2161 करोड़ रुपए का घोटाला किया। इस मामले में ईडी चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है। छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती कॉन्ग्रेस सरकार पर सरकारी राशन के बंटवारे में भी घोटाले का

आरोप लगा। पीडीएस व्यवस्था के तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो धान देने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन कैगरिपोर्ट में आया है कि इसमें 600 करोड़ रुपए की गड़बड़ी की गई है। भूपेश बघेल सरकार पर लगभग 5000 करोड़ रुपये के चावल घोटाले के आरोप लगे। भाजपा ने भूपेश बघेल पर चावल घोटाले का आरोप लगाते हुए इस्तीफा भी मांगा था। इस मामले में भूपेश बघेल और उनसे जुड़े लोगों ने चुप्पी साधे रखी। केंद्र में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार विपक्ष के नेताओं के भ्रष्टाचार के मुद्दों को उठाया है। चार राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद भाजपा मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पी मोदी ने प्रमुखता से कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने की वजह भ्रष्टाचार को बताया था। पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई रुकेगी नहीं। इससे केंद्र सरकार के तेवरों का अंदाजा लगाया जा सकता है। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार के गठन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस बात की प्रबल संभावना है कि भ्रष्टाचार के मामलों में राज्य और केंद्र की एजेंसियां कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकती हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय पश्चिम बंगाल, बिहार, तमिलनाडु, दिल्ली की राज्य सरकारों के मंत्री-नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करके केंद्र की मंशा का इजहार कर चुके हैं। दरअसल भाजपा ऐसी कार्रवाई को अंजाम देकर आगामी लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस और विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ चुनाव प्रचार में राजनीतिक फायदा उठाने का पूरा प्रयास करेगी। ऐसे में विपक्षी दलों को गिरफ्तारों के साथ ही चुनाव में भाजपा के आरोपों का सामना करने में मुश्किल आएगी।

चर्चा

सोलन की थाली में छेद

सोलन में सत्ता का एक साल नगर निगम की थाली में क्यों कमजोर पड़ गया और जिल्लत किसे बेसहारा कर गई, इसका विश्लेषण होना चाहिए। क्या यह शहर का मूड है या नेताओं के चरित्र का सबूत कि जिस थाली में खा रहे, उसी में छेद कर रहे। भले ही कांग्रेस की ऊषा शर्मा को मेयर की कुर्सी मिल गई, लेकिन इस जीत के साथ पार्टी का नाता कहीं बिखरा जरूर। यह इसलिए कि जिस शिद्वत से कांग्रेस बीज बो रही थी, वहां कांटे उग आए। कांग्रेस पार्टी अपने अधिकृत प्रत्याशी सरदार सिंह ठाकुर को न तो जीत का सेहरा पहना पाई और न ही डिप्टी मेयर की कुर्सी पर संगीता ठाकुर को बैठा पाई। यह तब हुआ जब भाजपा का एक पाषंद अनुपस्थित रहा और कांग्रेस के मतों में विधायक के मत का जोड़ रहा। मेयर पद पर कांग्रेस की बागी का जीतना उतना अचंभित न करे, लेकिन पार्टी की बगावत ने भाजपा की कमजोर पारी को विजयी बनाते हुए उनकी उम्मीदवार मीरा आनंद को डिप्टी मेयर बना दिया। यह देखना रोचक होगा कि दस वोटों वाली कांग्रेस की यह हालात किसे और क्यों हुई। क्या यही राजनीतिक चरित्र कांग्रेस की हर सत्ता पर विराजित है। सोलन में पार्टी की हालत अगर नगर निगम मेयर चुनाव कर रहा है, तो असंतोष की चूल्हों पर चढ़ी न जाने कितनी काठ की हांडियां जल रही होंगी। गौर करें कि शिमला संसदीय क्षेत्र किस कद्र सत्ता में अपना प्रभुत्व जमाए है। इसी क्षेत्र से मुख्खु सरकार में पांच मंत्री और पार्टी का राज्याध्यक्ष भी है। तमाम कसरतों, तीन मंत्रियों की मेहनत और विधायक का मत अगर पार्टीनेनी की मफि को नहीं सुधार पा रहा है, तो शेष हिमाचल में क्या होगा। सोलन के कांग्रेसी पाषंदों ने बागी उम्मीदवार के अलावा भाजपा के डिप्टी मेयर को जिता कर जो घंटी बजाई, उसके बाद आत्ममंथन की जरूरत बढ़ जाती है। ये तमाम अगर निगम अपने आप में शहरी मूड लिए घूम रहे हैं, लेकिन कल यही परिदृश्य अगर पार्टी के भीतरी असंतोष की जुबान बन जाए तो घातक होगा। वे कौन थे जो ऊषा शर्मा के रास्ते में कांटे बो रहे थे।

आश्चर्य यह भी कि नगर निगम चुनाव में जो अपना मत ढो रहे थे, वे विधायक या सरकार में मंत्री धनी राम शांडिल इस जनादेश पर कहां खड़े होंगे। इसका अर्थ यह भी कि सोलन नगर निगम की सरहद पर सोलन विधानसभा हारा गई, तो फिर विधायक महोदय के लिए यह घना सियासी कोहरा होगा। सोलन ने दरअसल कांग्रेस के संगठन व सरकार के मनन पर कई प्रश्न चरखों किए हैं। अगर अहंकार से पाटियों या सरकारें चलेगी, तो अपने ही कदम लहलुहान होंगे। क्या ऊषा शर्मा के जश्न में धनीराम शांडिल की पगड़ी ऊंची होगी या इस जीत की नारेबाजी को कांग्रेस के असंतुष्ट धड़े सोलन के बाहर कांगड़ा, चंबा, बिलासपुर, मंडी या अन्य जिलों तक भी सुनेंगे। सत्ता के लिए बहुमत प्राप्त करना एक बात है, लेकिन बहुमत सरकार में क्षेत्रीय राजनीति में संतुलन पैदा करना गंभीर चुनौती है। यह भी इस दौर में जब भाजपा जैसे विरोधी पक्ष 24 गुणा 7 पीछे पड़ा हो, तो कांग्रेस को अपने खुमार और अतिविशवास के लबादे उतारने पड़ेंगे। ऐसे में जब सरकार को अपने एक साल के जश्न की इबारत में खुद को साबित करना है, तो कुछ नए शब्द और मुहावरे जोड़ने पड़ेंगे। सत्ता की श्रंष्टता एक ऐसी साझी विरासत है, जो संगठन को एकत्रित तथा जनादेश को संगठित कर सके। शिमला व कांगड़ा में दो-दो, मंडी में एक तथा हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में शून्य नगर निगम है। ऐसे में इनसाफ की डार पर कम से कम हमीरपुर में नए नगर निगम की अपेक्षा एक साल की सक्रम कर रहे हैं।

प्रो. सुरेश शर्मा

शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शिक्षा तंत्र को समय-समय पर कड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। जिस प्रकार लम्बे समय से ठहरा हुआ पानी अपनी स्वच्छता तथा गुणवत्ता को खोकर प्रदूषित हो जाता है, ठीक उसी प्रकार किसी भी क्षेत्र में गुणवत्ता के लिए व्यापक स्तर पर बुनियादी सुधार किए जाते हैं। यह बदलते समय के अनुरूप तथा नीति परिवर्तन के कारण अवश्य भी हो जाता है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के मानकों तथा व्यावहारिकता में बहुत से परिवर्तन हो रहे हैं, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि उस क्षेत्र विशेष में कार्यरत व्यक्तियों, नीतियों तथा रीतियों में भी परिवर्तन हो। यह भी आवश्यक है कि प्रस्तावित बदलाव वास्तविक, व्यावहारिक तथा शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हों। प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में इस समय व्यापक रूप से परिवर्तन हो रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलावों को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक विद्यालय तथा महाविद्यालय को ‘डिवेलपमेंट प्लान’ अनिवार्य किया गया है। ‘मुख्यमंत्री एक्सीलेस स्कूल’ तथा ‘कालेज ऑफ एक्सीलेस’ बनाए जा रहे हैं। प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा में निदेशालय, सचिवालय तथा शिक्षा मंत्रालय स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित कर गम्भीर विन्यन हो रहा है जिसका उद्देश्य केवल शिक्षा तंत्र को चुस्त-दुरुस्त कर गुणवत्ता के लक्ष्य को प्राप्त करना है। प्रदेश में पिछले कई वर्षों से शिक्षक स्थानांतरण नीति के क्रियान्वयन के लिए अनेक विचार लिए गए, परंतु विडम्बना है कि कोई भी स्थानांतरण नीति अन्तिम रूप से घोषित होकर लागू नहीं हो पाई।

जनजातीय क्षेत्रों, सब-काडर, हार्ड एरिया, निचले क्षेत्रों, ऊपरी क्षेत्रों तथा शहरी क्षेत्रों की परिभाषावली में उलझी यह ट्रांसफर पॉलिसी अब भी तकनीकी शब्दावली के मकडझाल में फंसी हुई है। अस्पष्ट तथा अघोषित ट्रांसफर

पॉलिसी के चक्कर में अध्यापकों के स्थानांतरण का फैसला न्यायालय में होता है जहां मोटी धनराशि वकीलों को देनी पड़ती है। प्रभावशाली व्यक्ति हमेशा अपने राजनीतिक, प्रशासनिक प्रभाव का प्रयोग करता रहता है, आम व्यक्ति की नियमानुसार सुनवाई भी नहीं होती। सबसे बड़ी बात यह है कि राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों तथा समृद्ध एवं सम्पन्न व्यक्ति की अधाँगिनी, बेटी, बेटा या नजदीकी मित्र रिश्तेदार राजधानी या जिला मुख्यालय छोड़ कर किसी भी दुर्गम क्षेत्र में कैसे जा सकते हैं। फिर अनेक प्रकार के सच्चे-झूठे प्रमाणपत्र, मेडिकल प्रमाणपत्र भी तो प्रस्तुत किए जाने की सुविधा उपलब्ध है, जिसे सत्यापित किए बिना मनमर्जी के प्रभावशाली व्यक्ति कहीं भी नौकरी कर सकता है। अगर ऐसा न हो तो भी राजनीतिक तथा सचिवालय स्तर पर कोई न कोई हल निकल जाता है या फिर न्यायालय में भी वकीलों के दांवपेंच इस दिशा में कारगर साबित होते हैं। समस्या यह है कि निश्चित नियमावली एवं स्थानांतरण पॉलिसी के अभाव या उसे लागू करने की मंशा न होने से लोगों को बेवजह निदेशालय, सचिवालय तथा न्यायालय के चक्कर लगा कर परेशान होना पड़ता है, जिससे बहुत सा धन तथा समय नष्ट होने के साथ मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह जगजाहिर सत्य है कि आज तक अनेकों अध्यापक अपना राजनीतिक तथा प्रशासनिक प्रभाव न होने के कारण जनजातीय क्षेत्रों में ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं। वर्तमान शिक्षा में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से शिक्षकों को तीस किलोमीटर से बाहर स्थानांतरित करने की चर्चा चल रही है। आशा है कि बिना भेदभाव तथा पक्षपात से यह नीति प्रदेश में लागू होगी। अब प्रदेश के स्कूलों में पाठशाला प्रबंधन समिति तथा पाठशाला प्रशासन विद्यार्थियों की वर्दी अपनी



पसन्द से चयनित करने के लिए स्वतन्त्र होगा। सरकार का यह निर्णय जहां स्वागत योग्य तथा फैसले लेने के लिए संस्थागत स्वायत्तता को बढ़ावा देता है वहीं पर संस्थान स्तर पर अपनी-अपनी इच्छा, पसन्द तथा मनमर्जी से सरकारी स्कूलों की वर्दी से अपनी पहचान की अवधारणा समाप्त हो सकती है। सरकारी पाठशालाओं के विद्यार्थियों की अपनी पहचान होती है जिस पर पुनर्विचार किया जा सकता है। इसी तरह विभाग में वार्षिक केलेंडर में स्पोट्स डेज कम करने तथा टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम छुट्टियों में आयोजित कर शैक्षिक कार्य दिवस बढ़ाने का विचार भी सराहनीय कदम होगा। इस बात पर भी विचार किया जा सकता है कि प्राथमिक तथा अंडर-14 खेलकूद तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं कल्चर तथा खेड्ड स्तर तक ही आयोजित होनी चाहिए।

छोटे बच्चे अल्पावस्था में इतने सक्षम नहीं होते कि वे खेलकूद प्रतियोगिताओं के दौरान स्व-प्रबन्धन कर सकें। खेलकूद प्रतियोगिताओं में कई बार अध्यापकों तथा प्रबंधकों की ओर से

लापरवाही की शिकायतें मीडिया तथा समाचारपत्रों में देखी गई हैं। कुछ दिन पहले फैसले लेने के लिए संस्थागत स्वायत्तता को बढ़ावा देता है वहीं पर संस्थान स्तर पर अपनी-अपनी इच्छा, पसन्द तथा मनमर्जी से सरकारी स्कूलों की वर्दी से अपनी पहचान की अवधारणा समाप्त हो सकती है। सरकारी पाठशालाओं के विद्यार्थियों की अपनी पहचान होती है जिस पर पुनर्विचार किया जा सकता है। इसी तरह विभाग में वार्षिक केलेंडर में स्पोट्स डेज कम करने तथा टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम छुट्टियों में आयोजित कर शैक्षिक कार्य दिवस बढ़ाने का विचार भी सराहनीय कदम होगा। इस बात पर भी विचार किया जा सकता है कि प्राथमिक तथा अंडर-14 खेलकूद तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं कल्चर तथा खेड्ड स्तर तक ही आयोजित होनी चाहिए।

छोटे बच्चे अल्पावस्था में इतने सक्षम नहीं होते कि वे खेलकूद प्रतियोगिताओं के दौरान स्व-प्रबन्धन कर सकें। खेलकूद प्रतियोगिताओं में कई बार अध्यापकों तथा प्रबंधकों की ओर से लापरवाही की शिकायतें मीडिया तथा समाचारपत्रों में देखी गई हैं। कुछ दिन पहले फैसले लेने के लिए संस्थागत स्वायत्तता को बढ़ावा देता है वहीं पर संस्थान स्तर पर अपनी-अपनी इच्छा, पसन्द तथा मनमर्जी से सरकारी स्कूलों की वर्दी से अपनी पहचान की अवधारणा समाप्त हो सकती है। सरकारी पाठशालाओं के विद्यार्थियों की अपनी पहचान होती है जिस पर पुनर्विचार किया जा सकता है। इसी तरह विभाग में वार्षिक केलेंडर में स्पोट्स डेज कम करने तथा टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम छुट्टियों में आयोजित कर शैक्षिक कार्य दिवस बढ़ाने का विचार भी सराहनीय कदम होगा। इस बात पर भी विचार किया जा सकता है कि प्राथमिक तथा अंडर-14 खेलकूद तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं कल्चर तथा खेड्ड स्तर तक ही आयोजित होनी चाहिए।

मानवीय तथा भौतिक संसाधनों को प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया जा सकता है। लोकतंत्र में व्यक्तियों तथा संगठनों को अपने अधिकारों पर आवाज बुलंद करने तथा अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता रहती है, परन्तु प्रदेश के शिक्षा विभाग में अप्रत्यक्ष रूप से राजनीतिक दलों द्वारा समर्थित, गैर राजनीतिक शिक्षक संगठन तथा अराजपत्रित कर्मचारियों, अनेकों संगठन तथा अराजपत्रित कर्मचारियों के हितों के लिए आवाज उठाते हैं। अध्यापकों तथा कर्मचारी संगठनों के साथ शिक्षा प्रशासन को बातचीत कर विलय करवा कर इनकी संख्या कम करने का प्रयास करना चाहिए। प्रदेश में शिक्षा की नीतियों तथा गुणवत्ता के लिए सरकार की ओर से गम्भीर प्रयास किए जा रहे हैं। आवश्यकता है कि होने वाले परिवर्तन व्यावहारिक हों, भेदभाव एवं पक्षपात रहित होकर प्रभावी ढंग से लागू हों, लोकतांत्रिक प्रक्रिया से लिए गए निर्णय सामूहिक तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप हों।

संपादक की कलम से

व्यों महंगी खाने की थाली

बेशक दूसरी तिमाही में हमारी अर्थव्यवस्था की विकास-दर 7.5 फीसदी से अधिक रही है। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंता नागेश्वरन का आकलन है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 (31 मार्च तक) के वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगी। यदि चार साल की औसत विकास-दर को देखें, तो वह 4.5 फीसदी के करीब है। विकास-दर के अपने-अपने दावे किए जाते रहेंगे, लेकिन देश के आम आदमी के खाने की थाली अब भी महंगी है और यह महंगाई बढ़ने के आसार हैं। आटा 16 फीसदी, चावल करीब 15 फीसदी, चीनी करीब 11 फीसदी और तुअर दाल 16 फीसदी से अधिक महंगी हुई है। इन वस्तुओं के थोक के दाम जो भी हैं, लेकिन खुदरा बाजार में मनमानी चल रही है। दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। यह देश की अर्थव्यवस्था पर निगाह रखने वाली एजेंसी ‘सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी’ (सीएमआईई) एवं कुछ सरकारी एजेंसियों की ताजा रपट के निष्कर्ष हैं।

आने वाले तीन माह के दौरान भी इन खाद्यान्नों के दाम 14.55 फीसदी बढ़ सकते हैं। बीते 6 महीने के दौरान आटा, दाल, चावल और चीनी के दाम औसतन 14 फीसदी बढ़े हैं। सत्ता के पैरोकारों की दलील रही है कि देश के बाद इस बात की प्रबल संभावना है कि भ्रष्टाचार के मामलों में राज्य और केंद्र की एजेंसियां कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकती हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय पश्चिम बंगाल, बिहार, तमिलनाडु, दिल्ली की राज्य सरकारों के मंत्री-नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करके केंद्र की मंशा का इजहार कर चुके हैं। दरअसल भाजपा ऐसी कार्रवाई को अंजाम देकर आगामी लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस और विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ चुनाव प्रचार में राजनीतिक फायदा उठाने का पूरा प्रयास करेगी। ऐसे में विपक्षी दलों को गिरफ्तारों के साथ ही चुनाव में भाजपा के आरोपों का सामना करने में मुश्किल आएगी।

सामाजिक वर्ग के जिम्मेदार लोग हैं, जो आज भी 23.5 करोड़ भारतीयों को ‘गरीबी-रेखा’ के तले मानते हैं, क्योंकि वे गरीब 375 रुपए रोजाना कमाने में भी असमर्थ हैं। बहरहाल इस मुद्दे का विश्लेषण फिर कभी किया जा सकता है, लेकिन गरीबी और खाद्यान्न की लगातार महंगाई के आपसी गहरे संबंध हैं। यह सवाल बार-बार पूछा जाता रहा है कि अर्थव्यवस्था के विकास के बावजूद आम खाने की थाली महंगी क्यों होती रहती है? फिलहाल महंगे दामों के बुनियादी कारण कमजोर मानसून, किसानों का दूसरी फसलों की तरफ शिफ्ट होना और ज्यादा गर्मी से उत्पादन प्रभावित माने जा रहे हैं। क्या हम आज भी मौसम पर आधारित कृषि के भरोसे हैं? कृषि की विकास-दर घटकर 1 फीसदी से कुछ ज्यादा तक क्यों लुढ़क आई है? कोरोना-काल में भी कृषि की विकास-दर 3 फीसदी से अधिक रही थी। केंद्र सरकार ने दामों को नियंत्रित करने के मद्देनजर साल भर अपने भंडारों से गेहूं निकाल कर खुले बाजार में बेचा है।

नतीजतन गेहूं के भंडारण 2.39 करोड़ टन ही बचे हैं। यह बीते साल के 3.77 करोड़ टन से कम है। यानी सरकारी भंडारों में गेहूं करीब 37 फीसदी कम हो गया है। यह भी आकलन किया गया है कि भारत सरकार रूस से, पहले चरण में, 10 लाख टन गेहूं का आयात कर सकती है। गेहूं और चावल के उत्पादन में भारत विश्व में दूसरे स्थान का देश रहा है। फिर भी गेहूं की कमी का मुद्दा सवालिया है। सिर्फ गेहूं ही नहीं, चावल, दाल, गन्ना आदि का उत्पादन भी, बीते सालों की तुलना में, कम रहा है। क्या भारत किसी संभावित खाद्य-संकट की ओर बढ़ रहा है? सीएमआईई की रपट के मुताबिक, गन्ने की फसल से 3.32 करोड़ टन इस बार एथेनॉल में शिफ्ट होने के कारण चीनी के दाम बढ़ेंगे। महंगे दामों का असर किसी भी चुनाव पर देखने में नहीं आया है।

छिलकों की छाबड़ी : ईमानदारी का नगाड़ा

नगाड़ा खुशहाली का नहीं लगता। गौर से सुनो, इसकी आवाज थोड़ी फटी-फटी सी है। जैसे जैसे पर पैवंद लगे हों। भ्रष्टाचार से रस्त लोग की आवाज कहीं किसी क्रांति की ध्वजवाहक न बन जाए, इसलिए इस नगाड़े को बजा कर उस आवाज को दबाया जा रहा है। एक बार पहले भी कई साल पहले मैंने यह नगाड़ा इसी तरह बजते हुए सुना था। तब इमरजेंसी डिक्लेयर हो गई थी और मुझे बाजार में साइकिल से उतार सीधे अस्पताल ले जाकर मेरी नसबंदी कर दी गई थी। तब से मेरी कमर में दर्द रहता है और दिल में यह कसक भी कि मैं मुल्क की आबादी बढ़ाने में अपना बहुमुल्य योगदान नहीं दे पाया, जिस कारण देशभक्त आत्माओं की मुल्क में कमी हो गई है। वहीं पास में खड़ा तीसरा व्यक्ति काफी देर

दोनों की बातें सुनकर अपना सिर हिलाता रहा। जैसे उसके भीतर सिंघ लगे हों। वह व्यक्ति मुझे किसी लीडर का खास पिछल होगा। उसने कोई टिप्पणी नहीं की। वह कोई अवांछित टिप्पणी करके नेताजी का वोट बैंक खराब नहीं करना चाहता था, ऐसा मुझे लगा। मैंने उसकी सदा सदाशयता को मन ही मन नमन किया और थोड़ा आगे खिसक लिया। भीड़ में एक नौजवान बोल रहा था- यह जो नगाड़ा बज रहा है न, भई कमाल का नगाड़ा है। इस नगाड़े में विकास की ध्वनियां आ रही हैं। यानी मुल्क तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास शिखर पर जा रहा है। दूसरा नौजवान बोला- यह विकास का नगाड़ा नहीं हो सकता क्योंकि हमारे मोहल्ले को अभी तक सीवरेज लाइन हमलें बिछी है। गलियों में भी कीचड़ जमा

है। कई कई दिन तक नलों में पानी नहीं आता, लेकिन बिल आ जाता है।‘ एक और नौजवान बोला- मुझे तो लगता है कोई निटल्ला बैठा बेरोजगार नगाड़ा बजाकर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहा है या फिर देश के लिए अपना रचनात्मक योगदान दे रहा है। एक बाबू टाइट बंदा बोला- सरकार ने महंगाई भत्ते की किस्त जारी कर दी होगी, इसलिए कर्मचारी खुशी से नगाड़ा बजा रहे हैं। नगाड़े की आवाज लगातार बज होती जा रही थी। लोगों में कयासबाजियों का दौर भी जारी था। एक समझदार टाइट का व्यक्ति पहले तो थोड़ी देर खांसता रहा, फिर उसने दार्शनिक अंदाज में कहा- वल्ड कप में पाकिस्तान बुरी तरह हारा, इसलिए इधर खुशी में नगाड़ा बज रहा है। इन तमाम चर्चाओं के बीच एक सफेद कुता

पजमा पहने अथेड़ सा व्यक्ति वहां दौड़ता हुआ आया और हांफते हुए बोला- सबको बधाई हो। करोड़ों के जिस घोटाले में इलाके के लोकप्रिय नेता जी तिहाड़ जेल में बंद थे, उन्हें अदालती लड़ाई में बड़ी जीत मिली है। पुलिस उन पर आरोप साबित नहीं कर पाई और नेता जी ने यह साबित कर दिया कि उनके घर से जो करोड़ों रुपए मिले थे, वे गरीबों की मदद व जन कल्याण के लिए उन्होंने पाई-पाई जोड़ कर इकट्ठे किए थे। नेताजी की ईमानदारी साबित होने की खुशी में आज यह नगाड़ा बजाना जा रहा है। नगाड़ा लगातार बजे जा रहा था। लोग अब आश्चर्य थे कि यह ईमानदारी का नगाड़ा ही है और ऐसा नगाड़ा पूरी दुनिया में सिर्फ और सिर्फ भारत के पास ही है।

गुरमीत बेदी



अन्य देशों के विकास पर भारत डाल सकता है सकारात्मक प्रभाव, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर है सरकार का फोकस: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत अब अन्य देशों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव डालने की स्थिति में है। रक्षा मंत्री ने बुनियादी ढांचे के विकास विशेषकर संचार के विस्तार पर सरकार के फोकस का उल्लेख किया। जानिए वर्तमान में क्या है भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति। पढ़िए क्या है पूरी खबर।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने FICCI के एजीएम ने कहा कि भारत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में, अब अन्य देशों के विकास पर रसकारात्मक प्रभाव डालने की स्थिति में पहुंच गया है।

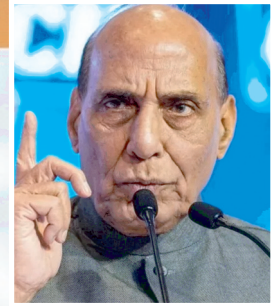
FICCI को राजनाथ सिंह ने कहा, सरकार ग्रोथ इंजन के रूप में भारत की स्थिति को और मजबूत करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। लेकिन आप जानते हैं कि यह काम सरकार अकेले नहीं कर सकती। इसके लिए हमें इस देश के धन रचनाकारों और विचारकों के समर्थन की भी आवश्यकता है। **इन्फ्रास्ट्रक्चर पर है सरकार का फोकस**



रक्षा मंत्री ने बुनियादी ढांचे के विकास, खासकर कनेक्टिविटी के विस्तार पर सरकार के फोकस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने दूर-दराज के इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास किया है और पीएम गति शक्ति योजना के तहत कनेक्टिविटी का जाल बिछाया है। **मानव संसाधन विकास पर सरकार की प्राथमिकता**

रक्षा मंत्री ने सरकारी के मानव संसाधन विकास पर प्राथमिकता के बारे में बताते हुए कहा, किसी भी देश का सबसे महत्वपूर्ण संसाधन उसका मानव संसाधन होता है। मानव संसाधन उन्नयन के तहत शिक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने पिछले लगभग एक दशक में जो काम किया है, वह अद्भुत है। हमारे

नागरिकों की दीर्घायु बढ़ी है; शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी आई है; हमारे नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है, उनके जीवन और जीवन स्तर में सुधार हुआ है **क्या है भारत की अर्थव्यवस्था ?** आपको बता दें कि वर्तमान में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारत की अर्थव्यवस्था 7.6 प्रतिशत है।



भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और अभी दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। कल ही आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आरबीआई एमपीसी के फैसले को सुनाते हुए यह अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत रह सकती है।

7.9% का इंट्रेस्ट रेट देता है SBI Sarvottam FD, जानिए कितनी है न्यूनतम निवेश की सीमा

जैसा कि हम जानते हैं कि बैंक आमतौर पर नॉन- कॉलेबल FD पर ब्याज दरों की पेशकश करते हैं क्योंकि आपका पैसा एक निश्चित अवधि के लिए लॉक- इन होता है। ये ऐसी योजनाओं के तहत समय से पहले भुगतान की अनुमति नहीं है। नॉन- कॉलेबल एफडी के लिए कम से कम 1 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। आइये इसके बारे में जानते हैं।

एसबीआई सर्वोत्तम में निवेश करने की न्यूनतम राशि 1 करोड़ रुपये है, हालांकि पहले ये निवेश राशि 15 लाख रुपये थी। केंद्रीय बैंक SBI ने 26 अक्टूबर, 2023 को एक नोटिफिकेशन जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा कि इन निर्देशों के अनुसार, बैंकों को समय से पहले निकासी के विकल्प के बिना घरेलू सावधि जमा(Domestic Term Deposit) की पेशकश करने की अनुमति दी गई है।

पंद्रह लाख रुपये और उससे कम पर समय से पहले निकासी की सुविधा होगी। इसके अलावा, बैंकों को अवधि के अलावा जमा की गैर- कॉलेबिलिटी और डिपॉजिट का आकार के आधार पर टीडी पर ब्याज पर अंतर दर की पेश करने की भी अनुमति दी गई है। **क्या निकला निर्णय** सबसे पहली बात जो सामने आई वह यह है कि नॉन- कॉलेबल एफडी के लिए न्यूनतम राशि को पंद्रह लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये किया जा सकता है। इसका मतलब यह है कि एक करोड़ रुपये और उससे कम राशि के लिए व्यक्तियों से स्वीकार की जाने वाली सभी Domestic Term Deposit इसमें समय से पहले निकासी की सुविधा होगी।

नवंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 22% घटा इनफ्लो, नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचा SIP के जरिए निवेश



नवंबर में इक्विटी फंड निवेश एक महीने में 22 प्रतिशत गिर गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के अनुसार इक्विटी फंड में निवेश महीने-दर-महीने 22 प्रतिशत गिरकर 15536 करोड़ रुपये हो गया। अक्टूबर में कुल निवेश 19957 करोड़ रुपये और सितंबर में 14091 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा एसआईपी के जरिए निवेश ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया।

नई दिल्ली। पिछले महीने यानी नवंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में मासिक आधाक पर 22 प्रतिशत निवेश घटा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) के आंकड़ों के मुताबिक महीने-दर-महीने इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 22 फीसदी घटकर 15,536 करोड़ रुपये रह गया है।

अक्टूबर में कुल निवेश 19,957 करोड़ रुपये था और सितंबर में कुल निवेश 14,091 करोड़ रुपये था। कोटक म्यूचुअल फंड में सेल्स, मार्केटिंग और डिजिटल विजनेस के प्रमुख मनीष मेहता ने कहा, दिवाली उत्सव और बैंक छुट्टियों के कारण संभवतः नवंबर में इक्विटी शुद्ध प्रवाह प्रभावित हुआ है **33 महीनों से इनफ्लो जारी** नवंबर के थले ही कम इक्विटी सेगमेंट में कम इनफ्लो यानी कम निवेश हुआ है लेकिन नवंबर के निवेश को मिला दें तो यह लगातार 33वां महीना है जब इनफ्लो जारी है।

सभी कैटेगरी के इक्विटी सेगमेंट में इनफ्लो देखने को मिला है। आपको बता दें कि पिछले महीने 6 नए म्यूचुअल फंड लॉन्च हुए जिनहोंने कुल 1,907 करोड़ रुपये जुटाए।

ऑल टाइम हाई पर SIP एसआईपी (सिस्टेमेटिक

इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से इनफ्लो पिछले महीने 17,073 करोड़ रुपये के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। अक्टूबर में एसआईपी के माध्यम से इनफ्लो 16,928 करोड़ रुपये था। **स्मॉल कैप इक्विटी फंड में सबसे अधिक इनफ्लो** इक्विटी फंड के अंदर, मिड और स्मॉल कैप इक्विटी फंड को बड़ी मात्रा में इनफ्लो देखनो को मिला है जो कुल इक्विटी इनफ्लो का 41 प्रतिशत है। नवंबर में सबसे अधिक 3,699 करोड़ रुपये का निवेश स्मॉल कैप इक्विटी फंड में देखने को मिला है। मिड कैप में 2,666 करोड़ और सेक्टर या थिमेटिक फंड में 1,965 करोड़ का निवेश प्राप्त हुआ है। लार्ज फंड में 1353 करोड़ रुपये का इनफ्लो हुआ। नवंबर में म्यूचुअल फंड के सभी 42 कंपनियों का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (AUM) 49.04 लाख करोड़ पर पहुंच गया।

परिवहन विशेष न्यूज अगस्त 2023 के बाद अब 1 दिसंबर 2023 तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 604 बिलियन डॉलर हो गया है। इससे पहले 11 अगस्त 2023 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के आंकड़े को पार हुआ था। कल आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारतीय करेंसी रुपया अन्य करेंसी की तुलना में ज्यादा स्थिर रही है।

नई दिल्ली। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ रहा है। अगस्त 2023 के बाद अब 1 दिसंबर 2023 को देश का फॉरेक्स रिजर्व बढ़कर 604 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। इससे पहले 11 अगस्त 2023 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 600 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार किया था।

कब था सबसे अधिक भंडार ? आपको बता दें कि अक्टूबर 2021 में, देश की विदेशी मुद्रा भंडार 642 बिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ ऑल टाइम हाई पर था। 24 नवंबर को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का फॉरेक्स रिजर्व 597.935 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

अन्य मुद्राओं की तुलना में भारतीय करेंसी अधिक स्थिर

कल एमपीसी के बैठक में हुए फैसलों को सुनाते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड वकिंग डे होता है। 1999 शुद्धता वाला सोना जितने पर बंद हुआ है उसके औसत मूल्य से कीमत तय होती है। **ऑनलाइन निवेशकों को सस्ता मिलता है एसजीबी**



इकोनॉमी (EME) की तुलना में भारतीय रुपये ने कम अस्थिरता रही है। **एफपीआई ने जारी रखा निवेश** शक्तिांत दास के मुताबिक 2023-24 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) इनफ्लो 6 दिसंबर तक 24.9 बिलियन डॉलर रहा है। इसके अलावा फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (FDI) अप्रैल-अक्टूबर 2023 में घटकर 10.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 20.8 बिलियन

अमेरिकी डॉलर था। **कौन होते हैं एफपीआई ?** एफपीआई यानी फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर उसे कहते हैं जो दूसरे देश के स्टॉक मार्केट के लिस्टेड शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, आदि में निवेश करते हैं। ये ऐसे निवेशक होते हैं जो कम समय में अधिक मुनाफा कमाने को देखते हैं। **क्या होता है विदेशी मुद्रा भंडार ?** विदेशी मुद्रा भंडार का मतलब इसके नाम

से ही पता चल रहा है। इसका मतलब अन्य देश की करेंसी का भंडारण। भारत का केंद्रीय बैंक यानी आरबीआई फॉरेक्स रिजर्व में पैसों के साथ-साथ अन्य परिसंपत्तियां भी रखता है ताकी जरूरत पड़ने पर लोन का भुगतान किया जा सके। विदेशी मुद्रा भंडार एक या अधिक मुद्राओं में रखा जाता है। अधिकांश विदेशी मुद्रा भंडार डॉलर में और कुछ यूरो में रखे जाते हैं।

सरकार SGB के निवेशकों को दिसंबर और फरवरी में देगी किस्त; सीरीज 3 और 4 के लिए इस दिन से कर सकेंगे निवेश

केंद्र सरकार इस महीने दिसंबर में एसजीबी की एक किस्त जारी करने जा रही है इसके बाद फरवरी में एक और किस्त जारी की जाएगी। इसके अलावा निवेशक सीरीज III एसजीबी के लिए आवेदन की तारीखें 18-22 दिसंबर 2023 हैं और सीरीज IV के लिए 12-16 फरवरी हैं। सरकार की ओर से आरबीआई एसजीबी इश्यू करता है।



कौन बेचता है एसजीबी ?

एजीबी के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भारत सरकार की ओर से इश्यू करता है। एसजीबी को शेड्यूल कमर्शियल बैंक (छोटे वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर), स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (SHCIL), क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (CCIL), नामित डाकघरों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचा जाता है।

कितनी होती है एसजीबी की प्राइस ?

एसजीबी की कीमत रुपये में तय कि जाती है। यह कीमत इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन लिमिटेड (IBJA) तय करता है जिसका आधार सदस्यता अवधि से पहले सप्ताह के अंतिम तीन वकिंग डे होता है। 1999 शुद्धता वाला सोना जितने पर बंद हुआ है उसके औसत मूल्य से कीमत तय होती है। **ऑनलाइन निवेशकों को सस्ता मिलता है एसजीबी**

वित्त मंत्रालय के मुताबिक ऑनलाइन सदस्यता लेने वाले और डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों के लिए एसजीबी का इश्यू प्राइस 50 रुपये प्रति ग्राम कम होगा। **एक व्यक्ति कितना खरीद सकता है एसजीबी ?** नियमों के मुताबिक सदस्यता की अधिकतम सीमा व्यक्ति के लिए 4 किलोग्राम, एचयूएफ के लिए 4 किलोग्राम और ट्रस्ट और समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम प्रति वित्तीय वर्ष होती है। एसजीबी

वीकेंड पर गाड़ी से घूमने का है प्लान ? यहां जानिए क्या है आज पेट्रोल और डीजल का ताजा भाव



शुक्रवार को कूड ऑयल 1.62 प्रतिशत महंगा होकर 75.25 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था जिसके बाद आज सुबह 6 बजे तेल कंपनियों ने देश के सभी शहरों के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें निर्धारित की हैं। ऐसे में अगर आप आज वीकेंड पर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो उससे पहले अपने शहर में पेट्रोल और डीजल की कीमत जान लीजिए।

नई दिल्ली। नौकरी करने वालों के लिए वीकेंड (शनिवार-रविवार) किसी गोल्ड से कम नहीं है। हफ्ते भर की थकान से राहत और अपने परिवार के साथ समय बीताने का यह सबसे अच्छा दिन होता है। कई लोग तो वीकेंड पर अपने दोस्तों या परिवार के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाते हैं। ऐसे में अगर आपके पास कोई वाहन है और आप कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो उससे पहले यह जान लीजिए आपके शहर में पेट्रोल

और डीजल का क्या भाव है ताकी आप उस हिसाब से अपना बजट बना सके।

कच्चा तेल हुआ महंगा आपको बता दें कि कल वैश्विक तेल बेचमार्क ब्रेट कूड 1.62 प्रतिशत बढ़कर 75.25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था जिसके बाद आज सुबह तेल कंपनियों ने देश के हर छोटे और बड़े शहरों के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमत तय की है।

किस शहर में क्या है तेल का भाव ?

गुड रिटर्न के मुताबिक आज तेल की कीमतें इस प्रकार हैं:

शहर	पेट्रोल (कीमत रुपये प्रति लीटर)	डीजल (कीमत रुपये प्रति लीटर)
नई दिल्ली	96.72	89.62
कोलकाता	106.03	92.76
नोएडा	96.64	89.82
गुरुग्राम	96.77	89.65
लखनऊ	96.57	89.76

मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हुए बाबा बालकनाथ....



छत्तीसगढ़ सीएम के नाम पर जल्द लगेगी मुहर, 10 को होगी भाजपा विधायक दल की बैठक

भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षकों में से एक केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने कहा कि सीएम के नाम की घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी।

नई दिल्ली। तीन राज्यों में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे मंथन के बीच पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। हर कोई जानना चाह रहा है कि आखिर इन राज्यों की सीएम की कुर्सी पर कौन बैठने वाला है। इसी को लेकर जल्द भाजपा विधायक दल की बैठक होने वाली है। छत्तीसगढ़ भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव ने कहा, ' भाजपा कार्यकर्ताओं और लोगों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। भाजपा विधायक दल की बैठक कल 10 दिसंबर को होगी। अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम विधायकों की बैठक लेंगे।'

छत्तीसगढ़ के लिए भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षकों में से एक केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अर्जुन मुंडा ने कहा कि सीएम के नाम की घोषणा जल्द ही कर दी जाएगी।

केसीआर तेलंगाना में बीआरएस विधायक दल के नेता चुने गए
तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को शनिवार को नई विधानसभा में बीआरएस विधायक दल का नेता चुना गया। यह एलान नवनिर्वाचित बीआरएस विधायकों की यहां हुई बैठक में किया गया। बीआरएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि बीआरएस विधायक दल की बैठक



तेलंगाना भवन में हुई। विधानसभा सत्र में सर्वसम्मति से पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को बीआरएसएलपी का नेता चुना गया। पार्टी ने बताया की बीआरएस संसदीय दल के नेता के केशव राव की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला लिया गया। राव के नाम का प्रस्ताव पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पोचामरा श्रीनिवास रेड्डी ने रखा। बाद में इसका पूर्व मंत्री टी श्रीनिवास यादव और कडियाम श्रीहरि ने समर्थन किया। बीआरएस ने हाल के विधानसभा चुनाव में कुल 119 सीटों में से 39 पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस को

64 सीटें मिली हैं, जबकि भाजपा, एआईएमआईएम और भाकपा को क्रमशः आठ, सात और एक सीट मिली है। इस बीच, केसीआर के बेटे और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि वह अपने पिता के बिगड़े स्वास्थ्य के कारण बैठक और विधानसभा में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने बताया कि विधानसभा सचिव से चार-पांच अन्य विधायकों के साथ शपथ लेने के लिए एक और तारीख मांगी है, जो आज उपस्थित नहीं हो पाए हैं।

तिजारा विधानसभा से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक बाबा बालकनाथ ने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की चर्चाओं को नजरअंदाज करने की बात कही।

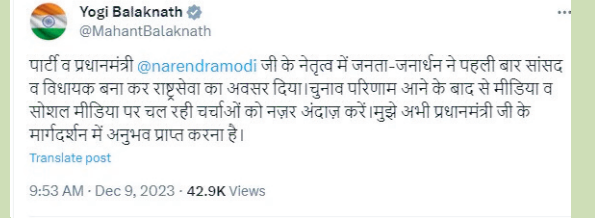
जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के बाद मुख्यमंत्री के नाम को गहमागहमी तेज हो गई है। ऐसे में मुख्यमंत्री की रेस में शामिल तिजारा विधानसभा से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक बाबा बालकनाथ ने एक बयान जारी कर खुद को इस रेस से बाहर कर लिया है। बालकनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए मुख्यमंत्री पद से खुद को बाहर कर लिया है। बाबा बालकनाथ ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनता-जनार्दन ने पहली बार सांसद व विधायक बनाकर राष्ट्रसेवा का अवसर दिया है। चुनाव परिणाम आने के बाद से मीडिया व सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को नजर अंदाज करें। मुझे अभी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में अनुभव प्राप्त करना है।'

विभागों का बंटवारा: तेलंगाना सीएम रेवंत कानून तो विक्रमार्क संभालेंगे वित्त की जिम्मेदारी; जानें किसे क्या मिला

तेलंगाना सरकार के विभागों का शनिवार को आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री रेड्डी के पास नगर प्रशासन और शहरी विकास, सामान्य प्रशासन, कानून और व्यवस्था और अन्य सभी अनावंटित विभाग हैं।

नई दिल्ली। तेलंगाना सरकार के विभागों का शनिवार को आवंटन किया गया। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अपने पास नगर प्रशासन और शहरी विकास, सामान्य प्रशासन, कानून और व्यवस्था और अन्य सभी अनावंटित विभागों को रखा है। वहीं, भट्टी विक्रमार्क मल्लू को वित्त और योजना, ऊर्जा विभाग दिया गया है। दामोदर राजा नरसिम्हा को स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग दिया गया है।

दो योजनाओं का किया शुभारंभ
मुख्यमंत्री रेड्डी ने दो योजनाओं 'महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा' और 'गरीबों के लिए 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा' को शुरू किया। यह कांग्रेस द्वारा घोषित छह चुनावी 'गारंटी' का हिस्सा हैं। रेवंत रेड्डी ने



क्या वसुंधरा भी नहीं बनेंगी मुख्यमंत्री?
वसुंधरा राजे की दावेदारी इसलिए वर्गों में है क्योंकि उनके समर्थन में लगातार विधायक लाभबंद लेते नजर आए। नतीजों के बाद से ही वसुंधरा के समर्थन में कई विधायकों ने आवाज बुलंद की। यही बर्से उनके जयपुर आवास पर पिछले दिनों 50 से ज्यादा विधायकों ने पहुंचकर मुलाकात भी की थी। इसी के बाद वर्गों लेने लगी कि वसुंधरा का ये शक्ति प्रदर्शन सीएम पोस्ट पर दावेदारी को लेकर है। हालांकि, केंद्रीय आलाकमान ने पूरे घटनाक्रम पर नजर रखा और वसुंधरा को दिल्ली बुलाया। राजे दिल्ली पहुंची और गुरुवार रात में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नन्दा से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद जब वसुंधरा वर्ग से वापस लौटी तो मीडिया के सामने कुछ नहीं कहा। [हां उनके चेहरे पर मुस्कुराहट, हंसी नजर आ रही थी।

नए सीएम की खोज के लिए राजनाथ की एंटी
अभी राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की रेस में दीपा कुमार, राज्यकर्षण सिंह राठौर के अलावा सीपी जोशी, ओम नाथुर, अर्जुन राम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत और अश्विनी वैष्णव का नाम शामिल माना जा रहा। फिलहाल इन दिग्गजों में से सीएम की कुर्सी पर किसे मिलेगी ये देखना दिलचस्प होगा। या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर सबको यौंकाते हुए कोई नए चेहरे को राजस्थान का जिम्मा सौंपेंगे। इसी सियासी घमासान को टालने के लिए ही केंद्रीय नेतृत्व ने दिग्गज नेता राजनाथ सिंह को पर्यवेक्षक बनाकर राजस्थान भेजा है। उनके साथ राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े भी हैं। अब इन दिग्गजों की फाइनल रिपोर्ट से अगले सीएम के नाम पर गूर लगने के आसार हैं।



प्रोत्साहन राशि के तौर पर दो करोड़ रुपये का चेक सौंपा। निकहत जरीन ने दो करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि के लिए सरकार का शुक्रिया अदा किया और कहा कि इससे पेरिस ओलंपिक की तैयारी में मदद मिलेगी। तेलंगाना के निजामाबाद की रहने वाली निकहत जरीन ने कहा कि वह कड़ी मेहनत करना चाहती है और राज्य का नाम रोशन करना चाहती हैं।

तीन दिसंबर को घोषित हुए थे विधानसभा चुनाव के नतीजे

तेलंगाना में 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए 30 नवंबर को मतदान हुआ था। तीन दिसंबर को परिणाम सामने आए थे। इसमें कांग्रेस ने 64 सीटों पर जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी की। वहीं, के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) हैट्रिक नहीं लगा पाई। बीआरएस ने 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, भाजपा को आठ सीटें मिली हैं। छह सीटों पर एआईएमआईएम ने जीत दर्ज की। एक सीट पर भाकपा ने जीत हासिल की।

हकीकत बनाया। राजीव आरोग्यश्री स्वास्थ्य योजना के तहत गरीबों को 10 लाख रुपये का वित्तीय कवरज मिलेगा। 'महालक्ष्मी' योजना के तहत महिलाएं राज्य द्वारा संचालित सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) की बसें में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं। **मुख्यमंत्री ने निकहत जरीन को सौंपा दो करोड़ का चेक**
इस मौके पर रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार की ओर से दिग्गज मुकेशबाज निकहत जरीन को

कानून के साथ अब आतिशी के पास 14 विभाग, केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा

आतिशी के पास अब कानून विभाग का प्रभार भी आ गया है। इसी के साथ उनके पोर्टफोलियो की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में उनको पास सबसे ज़्यादा प्रभार हैं। कानून एवं न्याय का प्रभार अब तक कैलाश गहलोत के पास था।

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत से शुक्रवार को कानून और न्याय विभाग वापस ले लिया गया। कानून विभाग का प्रभार आतिशी को सौंपा गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके एक दिन पहले उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शहर में न्यायिक बुनियादी ढांचे और प्रशासन से संबंधित फाइल मंगाई थीं। कारण था कि ये फाइल कई महीनों से गहलोत के पास लंबित थीं। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने उपराज्यपाल कार्यालय को पत्र लिखकर आतिशी को कानून विभाग का प्रभार सौंपने की सिफारिश की है। इसे सक्सेना की मंजूरी मिल गई है। आम आदमी पार्टी सरकार ने इस पर आधिकारिक तौर पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस बदलाव के साथ आतिशी के पास मौजूद विभागों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है जो केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा है। इससे पहले अक्टूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था। जून में आतिशी को राजस्व, योजना और वित्त विभागों का प्रभार दिया गया था। ये विभाग पहले गहलोत के पास थे। गहलोत के पास अब परिवहन, गृह, प्रशासनिक सुधार और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का प्रभार है। उपराज्यपाल सक्सेना ने गुरुवार को शहर में अदालतों, न्यायिक बुनियादी ढांचे, त्वरित न्याय और न्याय प्रशासन प्रणाली से संबंधित उन सभी फाइल को वापस मंगाया था, जिन्हें कानून मंत्री ने निपटाने में कथित तौर पर देरी की। राजनिवास के अधिकारियों ने बताया था कि उपराज्यपाल ने निर्देश दिया है कि दिल्ली के कानून मंत्री के पास छह महीने तक लंबित रही ऐसी सभी फाइल तीन दिनों के भीतर उन्हें सौंपी जाएं। चार दिसंबर को प्रधान सचिव (विधि और न्याय) की एक रिपोर्ट में 18 ऐसी फाइल उपराज्यपाल सचिवालय के संज्ञान में लाई गई, जो लंबित थीं।



लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शार्प शूटर गिरफ्तार, दिल्ली के वीआईपी इलाके में हुई मुठभेड़ में शामिल था एक नाबालिग

दिल्ली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल एनकाउंटर के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के हवाले से मिल रही जानकारी के मुताबिक उन्हें जानकारी मिली कि लॉरेंस गैंग के दो शार्प शूटर वसंत कुंज इलाके में हैं और फिर स्पेशल सेल उन्हें पकड़ने को निकली।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल एनकाउंटर के बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने वसंत कुंज में मुठभेड़ के बाद कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के दो शूटरों को दबोचा। इनमें एक नाबालिग है।

यह मुठभेड़ शुक्रवार रात 9.00 बजे वसंत

कुंज के एक पांच सितारा होटल के पास हुई। बदमाशों ने पांच राउंड और पुलिस ने दो राउंड फायरिंग की।

क्राइम ब्रांच ने इनके पास से दो विदेशी पिस्टल, चार कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है। ये रोहतक में छह आपराधिक मामले में शामिल रहे हैं।

शुक्रवार को भी हुई थी गिरफ्तारी
कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़-लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के शूटरों ने पंजाब के फरीदकोट से शिरोमणि अकाली दल के विधायक रहे दीप मल्होत्रा के पंजाबी बाग स्थित घर के बाहर आठ राउंड फायरिंग की थी।

दीप मल्होत्रा का पंजाब में है शराब का बड़ा कारोबार
दीप मल्होत्रा का पंजाब में शराब का बड़ा कारोबार है। लॉरेंस गिरोह ने उनसे करोड़ों रुपये रंगदारी मांगी थी, लेकिन पूर्व विधायक ने देने से इंकार कर दिया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 72 घंटे के अंदर दो शूटरों को गिरफ्तार कर गुलथी सुलझा ली है। इनके पास से दो

पिस्टल, सात कारतूस और चोरी की बाइक बरामद की गई है।

विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक हरियाणा के सोनीपत निवासी आकाश उर्फ कस्सा और चरखी दादरी निवासी नितेश उर्फ सिंटी को गिरफ्तार किया गया है।

आकाश पहले भी कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहा है
शूटर आकाश पहले भी तीन आपराधिक मामलों में संलिप्त मिला है। तीन दिसंबर को दोनों पश्चिमी पंजाबी बाग स्थित शिरोमणि अकाली दल के पूर्व विधायक के घर के मुख्य द्वार के बाहर आठ राउंड फायरिंग कर बाइक से फरार हो गए थे।

घर के मेन गेट के पास पुलिस को चार कारतूस मिले थे। पंजाबी बाग थाना पुलिस ने केस दर्ज किया था। जांच से पता चला था कि लॉरेंस गिरोह ने पूर्व विधायक के वाट्सएप नंबर पर काल कर और वाइस मैसेज भेजकर रंगदारी मांगी थी।

रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

दी थी। इससे पहले उनको पंजाब स्थित शराब की दो दुकानों को लॉरेंस गिरोह के सदस्यों ने जला दिया था। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने अपराध शाखा को जांच की जिम्मेदारी सौंपी थी।

क्राइम ब्रांच को सीसीटीवी से मिला हिंट

क्राइम ब्रांच को सीसीटीवी फुटेज और अन्य तरीके से की गई जांच से पता चला कि लॉरेंस गिरोह ने ही वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने शूटर आकाश की पहचान की। इसके बाद डीसीपी अमित गोयल की टीम ने पहले आकाश को सोनीपत के भटगांव से गिरफ्तार किया।

पृछताछ के बाद दूसरे शूटर नितेश को भी चरखी दादरी से गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों से बरामद बाइक कुछ वर्ष पहले पालम गांव से चोरी की गई थी। शूटर आकाश हत्या के प्रयास के एक मामले में हरियाणा में जेल में बंद था। जहां उसकी मुलाकात गोल्डी बराड़-लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्यों से हुई थी। जिसके बाद वह भी गिरोह में शामिल हो गया था।

